Hon'ble Tourism Minister's Speech

IBC-2014

I welcome all the scholars, delegates, representatives, venerable monks and nuns, tour operators and other important participants on the occasion of International Buddhist Conclave 2014. This is a moment of pride for Government and the people of Bihar. The three day event will be a milestone in field of promotion of tourism in Bihar.

It is a fact that Bihar since time immemorial has shown the path of peace and truth to the World, and we are committed to further our legacy in future. All of you are very well aware that Bihar is a rainbow of historical, cultural and beautiful natural places that dot this landscape. Bihar has many historical cultural places that are very beautiful. Bihar is also blessed with sacred Ganges. Rajgir is not only very picturesque but it also has some very significant places like hot water springs, Ghoda Katora Lake, Pandu Pokhar at the base of the Saptaparni cave. Ancient traditions, fairs and festivals are major attractions and tourism is now providing much job opportunity to youth. Tourism industry in Bihar with all its possibilities is gradually taking an international outlook.

Bodhgaya, the place where the Buddha attained the supreme enlightenment under the Bodhi tree is a major attraction among the national and international Buddhists. Sujata Kutir, Maya Sarovar, Dungeshwari etc in the vicinity of Bodhgaya are other significant attractions for the Buddhists.

Bihar Tourism is committed towards the development of basic infrastructure at all the important tourist places in Bihar. Identification of places in the Buddhist Circuit is being done to facilitate development of infrastructure there. Government has initiated festivals at important Buddhist places. Effort were made towards making the Rajgir Mahotsava,

Vaishali Mahotsava and Bodh Mahotsava, Bodhagaya an international event by inviting reputed national and international artists. Special projects have been initiated for Pragbodhi, Brhamayoni, and Tapovana. Sound and Light show at Rajgir, Nalandra, Vaishali and Bodhgaya shall be a major attraction in near future.

This grand event by Government of Bihar shall be remembered as an initiative to facilitate awareness the international tourists towards the great Buddhist legacy of Bihar. I take this opportunity to congratulate all the Buddhist scholars, venerable monks and nuns, delegates, devouts, tour operators and other associated with the event.

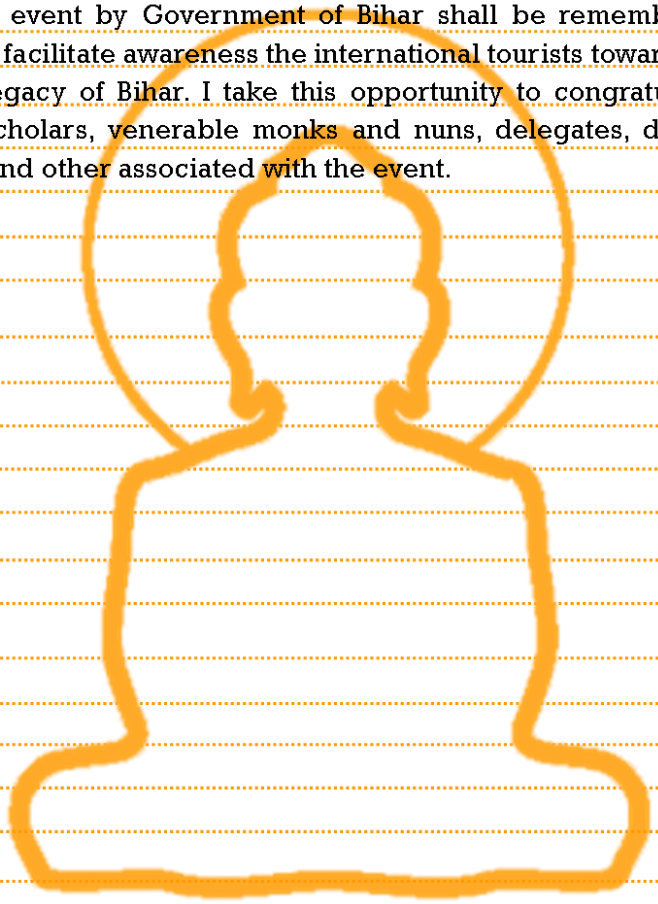

|| बुद्धम् शरणम् गच्छामि || || Buddham Sharnam Gachchhami ||

|| धम्मम् शरणम् गच्छामि || || Dhammam Sharnam Gachchhami ||

|| संघम् शरणम् गच्छामि || || Sangham Sharnam Gachchhami ||

INTERNATIONAL BUDDHIST CONCLAVE, 2014

BODHGAYA, BIHAR, BHARAT.

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध कानक्लेव 2014 (26–28 सितम्बर) के अवसर पर माननीय पर्यटन मंत्री के सम्भाषण

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध कॉनक्लेव 2014 के आयोजन में दूर–दूर से आए विभिन्न देशों एवं अपने देश के विभिन्न राज्यों से आए सभी विद्वानों, प्रतिभागियों, प्रतिनिधियों, आदरणीय भिक्षुओं, भिक्षु गण एवं पर्यटन यात्रा अभिकर्ता गण एवं आयोजन में शामिल उपस्थित सभी महानुभावों का तहे दिल से अभिनंदन करता हूँ और यह बताना चाहता हूँ कि इस महा आयोजन में आपके आगमन से बिहार सरकार एवं बिहारवासी सचमुच सम्मानित महसूस कर रहे है। यह त्रिदिवसीय आयोजन सचमुच बिहार पर्यटन के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यह सच है कि सत्य और शांति का संदेश दुनिया को इस बिहार की दिव्य भूमि से प्राप्त हुआ है और आगे भी हम अपनी परम्परा, अपनी विरासत को संरक्षित कर आपके सहयोग से शांति और भाईचारे के संदेश को सदैव आगे ले जाने के लिए अडिग है। आप इस बात से अवगत है कि अपने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक धरोहरों और प्राकृतिक विविधता के कारण बिहार पर्यटकीय अभिरूचि के गंतव्य स्थलों का इन्द्रधनुषी दर्पण है। पर्यटन की दृष्टि से जहाँ निहारने योग्य अनेक ऐतिहासिक पौराणिक धरोहर एवं विरासत है तो प्राकृतिक रूप से पवित्र गंगा नदी, राजगीर की मनोरम वादियाँ, गर्म झरने, घोड़ा कटोरा झील सप्तपर्णी गुफा की तलहटी में पांडु पोखर, बराबर की पहाडियाँ जैसे ग्रामीण इकोलॉजी का अद्भुत समन्वय एवं संगम। हमारी गौरवपूर्ण परम्पराएँ, समृद्ध पहचान, मेले पर्व, उत्सव सदियों से पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित–आमंत्रित करते रहें है। पर्यटन से आय बढ़ने के साथ रोजगार के अवसर युवाओं को प्राप्त हो रहे हैं। पर्यटन उद्योग अपनी संपूर्ण संभावनाओं को साकार कर एक नए अंतराष्ट्रीय स्वरूप को प्राप्त कर रहा है।

बोधगया वह महान स्थान है जहाँ महाबोधी मंदिर के प्रांगण में पीपल वृक्ष के नीचे भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ। यह स्थल आज देश–विदेश के बौद्ध धर्मावलंबियों के आकर्षण एवं पूज्य स्थान है। इसके अतिरिक्त बोधगया में सुजाता कुटीर, माया सरोवर, डुंगेश्वरी आदि पर्यटन स्थल पर्यटकों को आकर्षित करता है।

भगवान बुद्ध का जीवन–दर्शन आज भी हमारे लिए प्रेम एवं भाति का पर्याय एवं प्रासंगिक है।

|| बुद्धम् शरणम् गच्छामि || || Buddham Sharnam Gachchhami ||

|| धम्मम् शरणम् गच्छामि || || Dhammam Sharnam Gachchhami ||

|| संघम् शरणम् गच्छामि || || Sangham Sharnam Gachchhami ||

INTERNATIONAL BUDDHIST CONCLAVE, 2014

BODHGAYA, BIHAR, BHARAT.

हम सभी इस राज्य के भगवान बुद्ध से जुड़े पावन–पवित्र स्थलों यथा बोधगया, राजगीर, नालंदा, वैशाली, लौरियानंदन गढ़, अरेराज, रामपुरवा आदि पर्यटकीय गंतव्य स्थलों से पूर्णरूपेण अवगत है। बिहार पर्यटन अपने राज्य में आनेवाले पर्यटकों के लिए सभी महत्वपूर्ण स्थलों में बुनियादि संरचनाओं एवं पर्यटकीय सुविधाओं को विकसित करने हेतु प्रतिबद्ध है। बौद्ध परिपथ को चिन्हित कर मौलिक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। बुद्ध परिपथ से जुड़े महत्वपूर्ण गंतव्यों पर प्रतिवर्ष मेला महोत्सव का आयोजन किया जाता है। पिछले वर्ष राजगीर महोत्सव, वैशाली महोत्सव एवं बौद्ध महोत्सव, बोधगया को भव्य स्वरूप प्रदान कर अंतर्राष्ट्रीय पहचान स्थापित करने की दिशा में विशुद्ध रूप से अंतर्राष्ट्रीय विदेशी कलाकारों के द्वारा भव्य सांस्कृतिक कान्सर्ट का आयोजन किया गया,

जिसमें दर्जनों देशों के कलाकर्मियों ने भाग लिया। राजगीर में घोड़ा कटोरा झील, बोधगया का सुजाता कुटीर एवं मुच्छलिन्द सरोवर गया में प्राकबोधि, ब्रह्मयोनि पर्वत एवं तपोवन के लिए विशेष परियोजनाएँ ली गई है। राजगीर, नालंदा वैशाली एवं बोधगया में लाइट एण्ड साउण्ड शो का आयोजन आने वाले दिनों में पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र होगा। बिहार पर्यटन द्वारा यह भव्य आयोजन अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को बिहार के गौरव से परिचित कराने एवं बिहार पर्यटन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में याद किया जायेगा। मुझे पूरी उम्मीद है कि यह आनेवाले दिनों और वर्षों में एक जैसे लोगों और राष्ट्रों के विचारों और दृष्टिकोण में बदलाव लाने में सक्षम होगा।

पुनः मैं इस कॉनक्लेव में उपस्थित आप सभी बौद्ध विद्वानों, आदरणीय भिक्षुगण–भिक्षुणीगण, सम्मानित आगंतुकों, श्रद्धालुओं, सभी प्रतिभागियों, पर्यटन यात्रा अभिकर्तागण एवं आयोजन से जुड़े सभी महानुभावों को बधाई देता हूँ, शुभकामनाएँ देता हूँ और आप सभी से मैत्रीपूर्ण संबंध की मंगलकामना करता हूँ। इस संपूर्ण महाआयोजन के सफल संचालन एवं प्रबंध के लिये मैं पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार एवं पर्यटन विभाग, बिहार के सभी आफिशियल की सराहना करता हूँ और उन्हें बधाई देता हूँ। शुभकामनाएँ देता हूँ।

धन्यवाद

|| बुद्धम् शरणम् गच्छामि || || Buddham Sharnam Gachchhami ||

|| धम्मम् शरणम् गच्छामि || || Dhammam Sharnam Gachchhami ||

|| संघम् शरणम् गच्छामि || || Sangham Sharnam Gachchhami ||